>

Title: Need to check the alleged illegal mining in Robertsganj Parliamentary Constituency of Uttar Pradesh.

श्री पकौड़ी लाल (रॉबर्ट्सगंज): आदरणीय सभापति महोदय, आपने मुझे समय दिया, मैं आपका बहुत आभारी हूं। महोदय, मुझे दो मिनट का समय दीजिए। मैं उत्तर प्रदेश के जनपद सोनभद्र, क्षेत्र रॉबर्ट्सगंज से आता हूं। यहां की 80 प्रतिशत आबादी आदिवासी एवं अनुसूचित जनजाति है। मेरा जनपद सोनभद्र बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश से घिरा हुआ है। हमारे जनपद में पर्याप्त रूप से पानी है। लेकिन, मात्र 25 प्रतिशत जमीन की सिंचाई होती है, 80 प्रतिशत जमीन असिंचित रह जाती है।

महोदय, मैं अपने क्षेत्र के आदिवासियों के बारे में कहना चाहता हूं। मेरे क्षेत्र के डाला और ओबेरा में कम से कम हज़ारों ऐसी पहाड़ियां हैं जहां काला पत्थर निकलता है। उसकी काली गिट्टी का उपयोग होता है और वह पत्थर सिमेंट के उपयोग में भी आता है। पर, आज दुख का विषय है कि वहां कम से कम 200 से अधिक खनन अवैध रूप से चल रहा है। वहां 40 मीटर लम्बा, 40 मीटर चौड़ा, और 125 फीट गहरा खदान बग़ैर लीज का हो गया है। अभी 27 फरवरी, 2012 को सैंकड़ों मजदूर उसमें काम कर रहे थे। उसमें काम करते समय ऊपर से पहाड़ गिर गया जिसमें बहुत-से लोग मर गए। कलक्टर ने केवल बारह लोगों को मृत घोषित किया और करीब 50-60 लोगों को घायल बताया। महोदय, आज भी वह पहाड़ वहां गिरा हुआ है। उसका मलबा वहां पर है। आज भी वहां दस-बीस लाशों के दबे होने की संभावना है। इससे पूरे क्षेत्र में आक्रोश है। वहां के आदिवासियों में आक्रोश है। वहां झारखण्ड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से मजदूर आते हैं। वहां एक-दो मजदूर रोज मर जाते हैं और उनकी कहीं कोई आवाज सुनी नहीं जाती। हमारा क्षेत्र सोनभद्र अति नक्सल प्रभावित जनपद है। जब ये गरीब आवाज़ उठाते हैं तो उसे केवल नक्सली का नाम दे दिया जाता है। इससे हमारे आदिवासी लोग अपनी बात भी नहीं कह पाते हैं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से चाहूंगा कि 27 फरवरी, 2012 को जो घटना घटी है और उसमें जितने मजदूर मरे हैं, उनका लेखा-जोखा हो। मरे लोगों को दस-दस लाख रुपए और घायलों को पांच-पांच लाख रुपए मिले। जो लोग दबे हुए हैं, वहां मशीन से उनके कंकाल को निकाला जाए। इससे पूरे

क्षेत्र में आक्रोश है। उसे अति संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया जाए और वहां जो अवैध खनन के जंगल माफिया और पत्थर माफिया हैं, उन पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए।

मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।